पौधरोपण के कई अभियान चले लेकिन उनकी सुरक्षा के लिए क्यों नहीं

हरियाली महोत्सव, पौधरोपण सब फोटो शेसन अभियान बनकर रह गए, विभिन्न अभियान में रोपित पौधे तो नहीं बचे, सिर्फ माननीयों एवं अधिकारियों की नेम प्लेंटे शेष बची

नवभारत न्यूज

पन्ना, 02 जून। हर वर्ष वृक्षारोपण अभियान चलाया जाता है लाखों रूपये प्रतिवर्ष खर्च होते हैं। कभी कभी अभियान का नाम भी बदल जाता है लेकिन मूल उद्देश्य वृक्षारोपण ही होता है।

वृक्षारोपण एक पुण्य एवं पवित्र कार्य है लेकिन जिस तरह से वृक्षारोपण के लिए अभियान चलाया जाता है यदि उनके रखरखाव एवं संरक्षण के लिए अभियान चलाया जाये और रोपे गये पौधे यदि आधे भी सही सलामत रहते हुए वृक्ष के रूप में परिवर्तित हो जाये तो भी इस अभियान की सफलता मानी जा सकती है लेकिन इस ओर किसी का ध्यान नहीं है। पौधा लगाया, फोटो खिंचवाई बस इसके बाद किसी को कोई लेना देना नहीं है। आखिर उनके द्वारा हफ्ता 15 दिन जीवित रहा कि नहीं। जब नवीन कलेक्ट्रेट भवन में रोपे गये पौधे एवं डिवाइडर में लगाये गये पौधे जिला प्रशासन जीवित नहीं रख पाया जहां पर कलेक्टर सहित सारे प्रशासनिक अधिकारी बैठते हैं। जिले में वृक्षारोपण के तहत रोपे गये पौधों का क्या हाल होगा स्वमेव अंदाजा लगाया जा सकता है। कुल मिलाकर वृक्षारोपण अभियान फोटोसेशन एवं करोड़ों रूपये फिजूल खर्ची के सिवाय कुछ भी नहीं है। सरकारी खर्च पर माननीयों के अलावा प्रशासनिक अधिकारी खुद जगह जगह अपने नाम से पौधे रोपते हैं। जिले में हर वर्ष बारिश के मौसम से लाखों रूपये खर्च कर वृक्षारोपण किया जाता है, किंतु उसके बाद भी जिले के जंगल या पौधो की संख्या में वृद्धि नहीं हो रही है, जिसके पीछे का कारण पौधरोपण के बाद उसकी सुरक्षा की ओर ध्यान नहीं दिया जाता है।

पौधे से अधिक बोर्ड पर खर्च:- मैदान मे जिन माननीयों के बोर्ड सूखे पौधों के नेम प्लेट में नजर आ रहे हैं। उसमें नेता से लेकर प्रशासनिक अधिकारी शामिल हैं। अब यदि पौधे से लेकर बोर्ड तक का खर्च जोड़ा जाये तो पूरे जिले का कई लाखों जायेगा लेकिन परिणाम सिफर नजर आ रहा है। वृक्षारोपण अभियान के दौरान माननीयों एवं अधिकारियों द्वारा पौधरोपण कराने से उम्मीद थी कि पूरा ध्यान दिया जाएगा लेकिन जब माननीयों एवं अधिकारियों के द्वारा रोपित पौधे तक नहीं बचे फिर आज भी उनके नामों की नेम प्लेंटे उसी जमीन पड़ी तो कहीं सूखे वृक्ष में लटकी चिढ़ाती नजर आ रही है तो फिर जिले के ग्रामीण अंचलों का क्या हाल हुआ होगा कितने करोड़ों रूपये वृक्षा रोपण में स्वाहा कर दिये गये और उसका परिणाम क्या हुआ सर्वविदित है। ऐसी आशा थी कि माननीयों एवं अधिकारियों द्वारा वृक्षारोपण कराने पर कम से कम उनकी नजर में रहेंगे तो देखरेख होती रहेगी। लेकिन यह पौधे एक बसंत तक नहीं देख पाए।

नहीं की गई ट्री गार्डो की सुरक्षा:- शासन द्वारा वृक्षारोपण के दौरान बनाए गए ट्रीगार्डो की सुरक्षा के लिये प्रति ग्राम पंचायत में चौकीदार रखने का प्रावधान था। परंतु न तो वृक्षारोपण की सुरक्षा करते चौकीदार दिखे और न ही सचिव, सरपंचों ने अपनी कर्तव्य परायणता का ही परिचय दिया। व्यवस्थाओं के अभाव में जहां पौधों की सुरक्षा के लिये बनवाई गई जालियां न सिर्फढह गई बल्कि गायब ही हो गई वहीं सरकारी रूपयों के बलबूते कराए गए वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान लगाए जाने वाले पौधों के नामो निशान तक बाकी नहीं है। कुल मिलाकर सरपंच सचिवों की लापरवाही के चलते सरकार का स्वच्छा पर्यावरण का सपना बिखर कर रह गया।

जमकर हुआ भ्रष्टाचार

सरकार द्वारा मनरेगा के माध्यम से कराए गए वृक्षारोपण कार्यक्रम का उद्देश्य जहां गरीब परिवारों को रोजगार देने के साथ साथ पर्यावरण को प्रदूषण से मुक्त करना था वहीं सरपंच और सचिवों द्वारा जमकर भ्रष्टाचार किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान मेट सहित सरपंच सचिव अपनी जेबे भरने में संलिप्त रहे। वृक्षारोपण कार्य में उपयोग में लाई जाने वाली रेत, सीमेंट, ईंट व रासायनिक खाद्य मस्टररोल मे ही समाकर रह गई। जबकि सामग्री का जितना विवरण मस्टररोल में दर्शाया जाता था उतनी सामग्री का उपयोग करना तो दूर दर्शन होना भी दूभर था। वृक्षारोपण उपयोग में लाई जाने वाली सामग्री में कमी कर सरपंच सचिव व मेट अपना कमीशन जुटाने मे लगे रहे और सरपंच व सचिवों की इसी भ्रष्टाचारी ने शासन की मंशा पर पानी फेर दिया।

पौधरोपण के नाम पर अब तक करोड़ों खर्च

लगभग 15 वर्षो के दौरान हरियाली महोत्सव एवं वृक्षारोपण अभियान के तहत समूचे जिले में लाखों पौधे रोपे गये और करोड़ों के ट्रीगार्ड निर्मित हुए लेकिन यह सब कागजी अभियान बनकर रह गया न तो अब उन पौधों का पता है और न ही ट्रीगार्डो का। पर्यावरण प्रदूषण की रोकथाम व स्वच्छ वातावरण निर्मित करने के मद्देनजर सरकार द्वारा प्रति ग्राम पंचायतों में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से वृक्षारोपण करवाए गए थे और लगाए गए पौधों की सुरक्षा की दृष्टि से ट्रीगार्ड (ईटों की जालियां) बनवाए गए थे। वृक्षारोपण कार्य में सरकार द्वारा अरबो रूपए खर्च किए गए, परंतु मेट सचिव व सरपंचों की लापरवाही के चलते वृक्षारोपण की सुरक्षा व रख रखाव की कहानी अधर मे लटक कर रह गई या यूं कहे कि योजना पर पूरी तरह पलीता ही लग कर रह गया।

न मिले फल न मिली छाया

शासन की मंशानुसार कराए जाने वाले वृक्षारोपण के दौरान फलदार व छायादार पौधों का लगाया जाना सुनिश्चित किया गया था। परंतु कई जगहों पर दृष्टि दौड़ाई जाए तो छायादार और फलदार पौधों की जगह बबूल के पौधों का रोपण कर शासन की आंखों में धूल झोंकने जैसा काम जिम्मेदार अमले द्वारा किया गया है जिसके कारण सरकार की मंशा पर पानी फिर कर रह था। ग्राम पंचायतों की कमान संभाल रहे सरपंच सचिव की लापरवाही और जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के कारण लीपापोती के दम पर लगाए गए वृक्ष आज शायद ही किसी दिशा मे नजर आते हों। वैसे तो योजना की राशि वृक्षारोपण की योजना को सफल नहीं बना पाई लेकिन सरकारी रूपयों के बंदरबांट ने सरपंच सचिवों के अलावा मेट की जेबें गर्म करने में जमकर भूमिका निभाई जबकि योजना के तहत लगाए गए पौधें वृक्ष बनकर न तो लोगों को छाया ही दे पाए न ही फलों का स्वाद ही मिल पाया।

जेके सीमेंट वर्क्स ने निकाली पर्यावरण जागरुकता रैली

नवभारत न्यूज

पन्ना, 02 जून। विश्व पर्यावरण दिवस 2026 के अवसर पर जेके सीमेंट वर्क्स पन्ना द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से एक भव्य पर्यावरण जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

रैली में 100 से अधिक आईटीआई विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। रैली का शुभारंभ जेके सीमेंट वर्क्स, पन्ना के यूनिट हेड एवं कारखाना प्रबंधक कपिल अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल एक दिवस का कार्यक्रम नहीं, बल्कि हमारी जीवनशैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। उन्होंने सभी से पर्यावरण संरक्षण के लिए छोटे-छोटे प्रयासों को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मानव संसाधन प्रमुख अवनीश गौतम, पर्यावरण प्रमुख अजय शर्मा, तकनीकी प्रमुख खेमेन्द्र कुमार, वाणिज्यिक प्रमुख आलोक राज गौतम, पर्यावरण टीम के सुदामा गुप्ता तथा सीएसआर विभाग के प्रतिनिधियों की विशेष उपस्थिति रही। मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सागर के क्षेत्रीय कार्यालय के सहयोग से आयोजित इस रैली के दौरान प्रतिभागियों को लाइफस्टाइल फॉर एनवायरमेंट अभियान की जानकारी दी गई तथा पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। रैली में शामिल विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं श्रमिकों ने पेड़ लगाओ-पर्यावरण बचाओ, स्वच्छ हवा-स्वस्थ जीवन तथा हरित भविष्य-हमारी जिम्मेदारी जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। रैली ने नगरवासियों का ध्यान पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों की ओर आकर्षित किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी प्रतिभागियों ने आगामी मानसून सत्र में अधिक से अधिक पौधारोपण करने तथा स्वच्छ, सुरक्षित और हरित पर्यावरण के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

जनगणना कार्य में लापरवाही पर 42 प्रगणक व सुपरवाइजर को नोटिस जारी

एक से 30 मई तक सभी मकान सूचीकरण ब्लॉक का समस्त त्रुटिरहित कार्य पूर्ण करने का था आदेश

नवभारत न्यूज

पन्ना, 02 जून। जनगणना 2027 अंतर्गत जनगणना अधिनियम 1948 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग कर पन्ना जिले में चार्ज जनगणना अधिकारियों द्वारा प्रगणक एवं सुपरवाईजर की नियुक्ति की गई थी।

निर्देश मुताबिक नियुक्त कर्मचारियों को एक से 30 मई तक सभी मकान सूचीकरण ब्लॉक का समस्त त्रुटिरहित कार्य पूर्ण करते हुए डाटा सिंक करना था, लेकिन 31 मई की स्थिति में कार्य शेष पाए जाने पर 42 प्रगणक और सुपरवाईजर को 2 वार्षिक वेतनवृद्धियां असंचयी प्रभाव से रोकने के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर ऊषा परमार ने पत्र प्राप्ति के तीन दिवस के अंदर चार्ज अधिकारी के माध्यम से कारण सहित अपना उत्तर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं अन्यथा समय पर कार्य पूर्ण नहीं करने तथा पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही व उदासीनता पर म.प्र. सिविल सेवा वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील नियम 1966 के नियम 3 के तहत इंक्रीमेंट रोकने की कार्यवाही होगी। पन्ना ग्रामीण जार्च में रामनिवास शर्मा, रविशंकर मिश्रा, सुग्रीव कुमार अहिरवार, संजय कुमार चतुर्वेदी को नोटिस दिया गया है।

इसी तरह गुनौर तहसील में केदारनाथ यादव, अमित बाबू गुप्ता, विनोद कुमार वर्मा, प्रदीप कुमार चौरसिया, रामअवतार चौरसिया, भगवानदास दहायत, राजेश कुमार वर्मा, रामस्वरूप वर्मा, मोहन अहिरवार, बृजवासीलाल चौरसिया, रामभुवन चौरसिया, तहसील सिमरिया में संतकुमार लोधी, शिवकुमार कोरी, रामचरण प्रजापति, संतोष शर्मा, सुरेन्द्र खम्परिया, उमाकांत खरे, नगर परिषद गुनौर में राकेश कुमार सेन, अमर सिंह बागरी, शाहनगर ग्रामीण में विनोद कुमार गौतम, प्रीतम सिंह गौड़, सुधा, शिवकुमार यादव, सुजान सिंह, सतीष दुबे, अखिलेश मिश्रा, सौरभ पाठक, अजयगढ़ ग्रामीण में सूर्य प्रताप सिंह बघेल, रामप्यारे कोरी, राधेश्याम सिंह, राहुल अहिरवार, मातादीन अहिरवार, राधेश्याम प्रजापति, तहसील रैपुरा में जीत सिंह ठाकुर, राजेश कुमार लोधी, सियाराम राजपूत तथा देवेन्द्रनगर तहसील चार्ज अंतर्गत अमर सिंह यादव एवं इरशाद मोहम्मद सिद्दीकी को नोटिस जारी किया गया है।

ऑनलाइन ठगी का शिकार हुआ पुलिसकर्मी

खाते से 71 हजार हुए पार

नवभारत न्यूज

पन्ना, 02 जून। तकनीक के इस दौर में जहाँ ऑनलाइन लेन-देन ने हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को बेहद सुगम बना दिया है, वहीं साइबर अपराधियों का नेटवर्क भी उतनी ही तेजी से पैर पसार रहा है। आज के समय में ये शातिर ठग इतने बेखौफहो चुके हैं कि अब पुलिसकर्मी भी इनके सुरक्षित घेरे से बाहर नहीं हैं।

ऐसा ही एक हैरान करने वाला मामला पन्ना जिले से सामने आया है, जहाँ ड्यूटी पर तैनात एक हेड कांस्टेबल ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो गए और शातिर चोरों ने पलक झपकते ही उनके बैंक खाते से 71 हजार रूपये पार कर दिये है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पन्ना के पुलिस लाइन निवासी 47 वर्षीय प्रधान आरक्षक कमलेश सिंह, पिता श्यामलाल सिंह, अस्पताल पुलिस चौकी में अपनी ड्यूटी निभा रहे थे। इसी दौरान अचानक उनके मोबाइल पर फोन-पे एप्लीकेशन के जरिए पैसे ट्रांसफर फेल होने का एक संदेहास्पद नोटिफिकेशन आया। मोबाइल पर यह मैसेज देखते ही उन्हें अनहोनी की आशंका हुई, जिसके बाद उन्होंने तुरंत अपने स्टेट बैंक ऑफइंडिया के खाते का बैलेंस चेक किया। बैंक बैलेंस देखते ही हेड कांस्टेबल के होश उड़ गए क्योंकि किसी अज्ञात जालसाज ने उनके खाते से 71 हजार रुपये उड़ा लिए थे और उनके खाते में केवल 47 रुपये 59 पैसे ही बचे थे। अपनी मेहनत की कमाई इस तरह गायब होने के बाद पीड़ित प्रधान आरक्षक ने तुरंत इस मामले की लिखित शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने अपने ही विभाग के साथी के साथ हुई इस ठगी को बेहद गंभीरता से लिया है। कोतवाली पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफमुकदमा दर्ज कर लिया है और साइबर सेल की मदद से मामले की बारीकी से जांच शुरू कर दी है।

अमृत-2 परियोजना के अधूरे रेस्टोरेशन से बढ़ सकती हैं मुश्किलें

खोदी गई सड़कों का पुनर्निर्माण कार्य अब तक अधूरा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 02 जून। मानसून के आगमन की आहट के साथ ही पन्ना शहर में अधोसंरचना की स्थिति को लेकर चिंताएं बढ़ने लगी हैं। मौसम विभाग द्वारा आगामी दिनों में प्री-मानसून गतिविधियां तेज होने की संभावना जताई जा रही है, लेकिन दूसरी ओर नगर में अमृत-2 परियोजना के अंतर्गत खोदी गई सड़कों का पुनर्निर्माण कार्य अब तक अधूरा है।

शहर के कई प्रमुख मार्गों पर पाइपलाइन बिछाने के बाद सड़कों को उनके मूल स्वरूप में लाने के बजाय केवल मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है। उचित रेस्टोरेशन न होने के कारण बारिश शुरू होते ही इन स्थानों पर स्थिति बिगड़ने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। स्थानीय नागरिकों का मानना है कि नगर पालिका प्रशासन को वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पहले इन निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करनी चाहिए थी और सड़कों के सुदृढ़ीकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए थी ताकि आम जनता को आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। वर्तमान में शहर के मुख्य मार्गों की स्थिति प्रशासनिक दूरदर्शिता पर सवाल खड़े कर रही है। बलदाऊ मंदिर से छत्रसाल पार्क की ओर जाने वाले मार्ग पर खुदाई के बाद निकाली गई मिट्टी को वापस गड्ढों में तो भर दिया गया, लेकिन सड़क को मजबूत और सुरक्षित बनाने के लिए आवश्यक तकनीकी मापदंडों का पालन नहीं किया गया। स्थानीय निवासियों के अनुसार, नियमों के तहत इन खोदे गए स्थानों पर ठोस निर्माण सामग्री की भराई की जानी चाहिए थी और सीसी सड़क की समुचित मरम्मत आवश्यक थी। यदि समय रहते इस कार्य को पूरा नहीं किया गया, तो आगामी मानसून में यह मार्ग कीचड़ और गड्ढों में तब्दील हो सकता है, जिससे न केवल यातायात प्रभावित होगा बल्कि राहगीरों, विशेषकर स्कूली बच्चों और बुजुर्गों के लिए दुर्घटनाओं का अंदेशा भी बढ़ जाएगा। इसी प्रकार शहर की संकरी गलियों से लेकर व्यस्ततम मार्गो पर भी इसी तरह का हाल है जहां पाइपलाइन के लिए की गई खुदाई के बाद मार्ग की ठोस सतह का निर्माण नहीं कराया गया है, जिससे वर्तमान में वाहनों के गुजरने से अत्यधिक धूल उड़ रही है। तेज बारिश की स्थिति में यही धूल और मिट्टी गहरे दलदल का रूप ले लेगी, जिससे दोपहिया वाहन चालकों और पैदल यात्रियों के लिए वहां से गुजरना अत्यंत जोखिम भरा हो जाएगा। मानसून पूर्व इस संवेदनशील समस्या पर स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की ओर से अपेक्षित सक्रियता न दिखने के कारण नागरिकों की चिंताएं निरंतर बढ़ रही हैं। शहरवासियों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि वर्षा काल पूरी तरह सक्रिय होने से पूर्व सभी खुदाई वाले स्थलों पर गुणवत्तापूर्ण रेस्टोरेशन कार्य अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया जाए ताकि संभावित नागरिक असुविधा को समय रहते टाला जा सके।

कुएं में गिरा प्याज से भरा ट्रैक्टर किसानों ने बचाई चालक की जान

नवभारत न्यूज

पन्ना, 02 जून। पन्ना जिले के ग्राम जूड़ी अंतर्गत खलपुरा में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। यहाँ उमाकांत शर्मा के खेत से प्याज की बोरियां लोड कर मंडी की ओर जा रहा एक ट्रैक्टर अचानक अनियंत्रित हो गया। संतुलन बिगड़ने के कारण ट्रैक्टर सीधे खेत में बने एक गहरे कुएं में जा गिरा।

ट्रैक्टर के कुएं में गिरते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। घटना के वक्त खेतों में काम कर रहे स्थानीय किसानों ने बिना वक्त गंवाए तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया। किसानों ने अपनी जान को जोखिम में डाला और कुएं में उतरकर ट्रैक्टर चालक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। ग्रामीणों की इस त्वरित तत्परता और बहादुरी के चलते चालक की जान बच सकी। हालांकि, इस भीषण हादसे में गोपाल कुशवाहा का ट्रैक्टर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है, जिसे कुएं से बाहर निकालने के प्रयास लगातार जारी हैं।

इंद्रपुरी कॉलोनी में पेयजल टंकी की मुख्य पाइप लाइन फटी, सड़कों पर बहा लाखों लीटर पानी

नवभारत न्यूज

पन्ना, 02 जून। इंद्रपुरी कॉलोनी स्थित स्थानीय पेयजल टंकी की मुख्य पाइपलाइन अचानक फट गई। पाइपलाइन फटने से पानी का रिसाव इतनी तेज गति और फोर्स के साथ हो रहा है कि देखते ही देखते पेयजल टंकी के आसपास का पूरा इलाका पानी से भर गया।

लाखों लीटर पीने योग्य पानी सड़कों पर बहकर बर्बाद हो रहा है, जिससे स्थानीय निवासियों में भारी आक्रोश है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पाइपलाइन से पानी निकलने का प्रेशर इतना अधिक है कि पानी की ऊंची बौछारें उठ रही हैं। कुछ ही मिनटों में टंकी के पास भारी मात्रा में पानी जमा हो गया और अब यह मुख्य सड़क से होते हुए कॉलोनियों के अंदर तक बह रहा है। इसके चलते राहगीरों और वाहन चालकों को निकलने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। दुपहिया वाहनों के फिसलने का खतरा भी बढ़ गया है। एक तरफजहाँ गर्मियों के मौसम में पानी की एक-एक बूंद की कीमत होती है, वहीं दूसरी तरफ जल प्रदाय विभाग की इस बड़ी लापरवाही के कारण लाखों लीटर शुद्ध पेयजल नालियों में बह रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर इस लीकेज को तुरंत नहीं रोका गया, तो शाम और कल सुबह तक पूरी कॉलोनी में पानी की सप्लाई ठप हो जाएगी, जिससे सैकड़ों परिवारों को पानी के संकट से जूझना पड़ेगा।

तेज रफ्तार बाइक ने मारा कट, अनियंत्रित होकर गिरे दंपती, पति की हालत नाजुक

नवभारत न्यूज

पन्ना, 02 जून। मोहन्द्रा की ओर से आ रही एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की लापरवाही ने एक परिवार को हादसे का शिकार बना दिया। घटना पवई थाना क्षेत्र के ग्राम सिमरा कला के पास की है, जहाँ एक अज्ञात बाइक सवार द्वारा अचानक कट मार देने से मोटरसाइकिल पर सवार पति-पत्नी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे में पति के सिर पर गंभीर चोटें आने के कारण उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल पन्ना रेफर किया गया है।

आरोपी चालक फरार, ईलाज के लिये कराया भर्ती - चश्मदीदों के अनुसार, गिरने के बाद दोनों दंपती सड़क पर काफी दूर तक घिसटते चले गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गए, जिन्हें देखकर दुर्घटना को अंजाम देने वाला अज्ञात बाइक चालक मौके से गाड़ी लेकर फरार हो गया। स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत एम्बुलेंस को सूचना दी और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पवई पहुँचाया। डॉक्टरों ने दोनों का प्राथमिक उपचार किया। जाँच में मिलन चौधरी के सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गहरी चोटें पाई गईं।

लौट रहे थे घर, रास्ते में हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम पिपरिया बघवार के रहने वाले मिलन चौधरी उम्र 40 वर्ष अपनी पत्नी सिराका चौधरी के साथ मोटरसाइकिल से ग्राम गणेशगंज गए थे। शाम करीब 6:30 बजे जब वे वापस अपने घर लौट रहे थे, तभी ग्राम सिमरा कलां के समीप सामने से आ रही एक तेज रफ्तार अज्ञात बाइक ने उनकी गाड़ी को जोरदार कट मार दिया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से मिलन चौधरी का संतुलन बिगड़ गया और दोनों सड़क पर गिर पड़े।

कलेक्टर की जनसुनवाई में आए 29 आवेदन

नवभारत न्यूज

पन्ना, 02 जून। जिला मुख्यालय पर कलेक्टर कार्यालय में मंगलवार को संपन्न हुई जनसुनवाई में 29 आम लोगों की समस्याओं को सुनकर निराकरण किया गया।

जनसुनवाई में कलेक्टर ऊषा परमार एवं संयुक्त कलेक्टर कुशल सिंह गौतम सहित अन्य विभागीय अधिकारियों ने आवेदकों की समस्याएं सुनकर निराकृत कीं।

कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय समिति एवं विशेष प्रकोष्ठ के गठन की समीक्षा

नवभारत न्यूज

पन्ना, 02 जून। उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार जिले में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के क्रियान्वयन व निगरानी के लिए समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा प्रत्येक स्तर पर समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित करने सहित सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का अनुपालन करवाया जाएगा।

कलेक्टर ऊषा परमार की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला स्तरीय समिति एवं गठित विशेष प्रकोष्ठ की पहली बैठक हुई। इस मौके पर नपाध्यक्ष, जिला पंचायत उपाध्यक्ष एवं जिला पंचायत सीईओ सहित परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण शशिकपूर गढ़पाले, समस्त नगरीय निकायों के सीएमओ तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में पीओ डूडा द्वारा जिला स्तर से क्रियान्वित कार्यों तथा समिति एवं प्रकोष्ठ गठन संबंधी जानकारी के साथ निकाय स्तर पर महत्वपूर्ण गतिविधियों के बारे में अवगत कराया गया। कलेक्टर श्रीमती परमार ने समिति की बैठक में नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के दृष्टिगत आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब नवीन नियम लागू होने के फलस्वरूप होटल के कचरा और जल का उचित प्रबंधन जरूरी है। अन्य संस्थाओं तथा नागरिकों को भी विहित नियमों का

पालन करना होगा। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में स्वच्छता के उद्देश्य से अब लापरवाही पर कठोर कार्रवाई का प्रावधान है।

जिला कलेक्टर ने निकाय स्तर पर इन नियमों के व्यापक प्रचार-प्रसार की बात कही तथा एक सप्ताह में परिणाममूलक प्रयास के लिए निर्देशित किया। उन्होंने बैठक में उपस्थित प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय सागर की अधिकारी को सभी नगरीय निकायों का निरीक्षण कर अवैध व अनाधिकृत कचरा निस्तारण स्थल के संबंध में अपेक्षित कार्यवाही के निर्देश दिए। साथ ही उपस्थित अधिकारियों को भी प्रत्येक 15 दिवस में प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने सभी निकायों में व्यवस्थित रूप से बेहतर प्रबंधन की आवश्यकता पर जोर देते हुए निकायों में ट्रेंचिंग ग्राउण्ड के चिन्हांकन के लिए भी कहा। साथ ही इस संबंध में निकायवार जानकारी प्राप्त की व जनप्रतिनिधियों से भी स्वयं के स्तर पर बैठक लेकर नवीन नियमों व प्रावधानों से जनसामान्य को अवगत कराने की अपेक्षा की। बैठक में सीएमओ को होटल और संस्थानों में नियमों का पालन न होने की स्थिति में कड़ी कार्यवाही तथा प्रत्येक वार्ड में आरआरआर केन्द्रों की स्थापना के लिए कहा। नगरीय क्षेत्र के साथ ही बड़ी ग्राम पंचायतों में भी कचरा पृथक्करण कार्यवाही के निर्देश दिए गए। वार्ड एवं मोहल्लों में कचरा फैलाने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही पर भी चर्चा हुई। आवश्यक सुझाव प्राप्त कर समस्त एसडीएम को अपने क्षेत्र के नगरीय निकायों में एकत्रित कचरा के निपटान की व्यवस्थाओं के लिए निर्देशित किया गया। साथ ही अस्पताल के कचरे का पृथक से निराकरण के निर्देश भी दिए गए। विदित हो कि समिति द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन 2026 के प्रावधानों के अनुरूप कार्यवाही की जाकर सभी डम्पिंग स्थलों का वर्चुअल निरीक्षण भी अनिवार्य रूसे किया जाएगा।